Hema Agarwal (01)
(Assistant Professor
D.N. College, Meerut)

E-Content - 06

B.Ed - II year
Course Code - E-401
Course Title - Assessment for Learning
Unit - I
Topic - Steps of Evaluation
&
Function of Measurement & Evaluation.

मूल्यांकन के पद (Steps of Evaluation Process)

शिक्षा के क्षेत्र में मूल्यांकन को नवीनतम स्वरूप देने का श्रेय डॉ बी॰एस॰ ब्लूम (B.S. Bloom) को जाता है. ब्लूम ने मूल्यांकन प्रक्रिया को त्रिध्रुवीय (tripolar) बताया अर्थात शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में मूल्यांकन के तीन ध्रुव बताये हैं जो एक दूसरे पर निर्भर करते हैं।

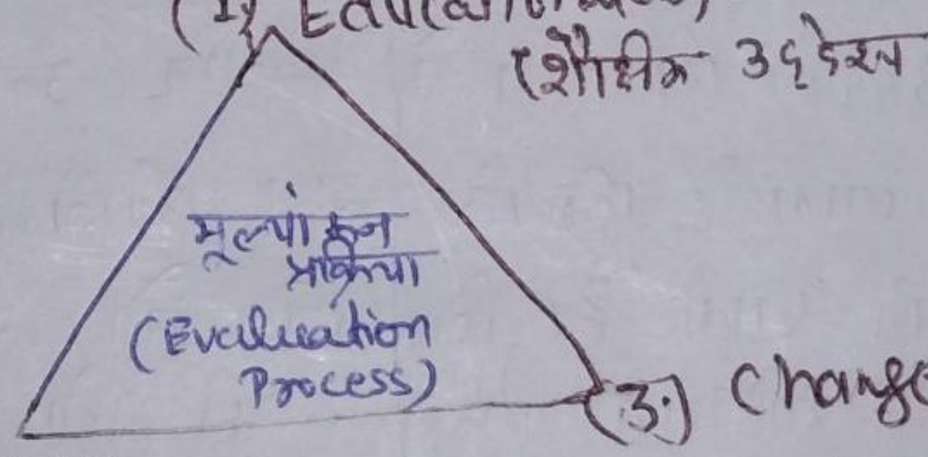

अतः मूल्यांकन प्रक्रिया में मुख्यतः तीन सोपान / पद (steps) हैं।

1. उद्देश्यों का निर्धारण
   - सामान्य उद्देश्यों का निर्धारण
   - विशिष्ट उद्देश्यों का निर्धारण
2. अधिगम क्रियाओं का आयोजन
   - शिक्षण बिन्दुओं का चयन
   - शिक्षण क्रियाओं द्वारा उपयुक्त अधिगम अनुभव उत्पन्न करना
   - व्यवहार परिवर्तन

Scanned by TapScanner

(3.) मूल्यांकन

- छात्रों के व्यवहार परिवर्तन को जानना
- प्राप्त साक्ष्य के आधार पर मूल्यांकन
- परिणामों को प्रष्ठपोषण के रूप में प्रस्तुत करना

1.) उद्देश्य निर्धारण (formulation of objectives)

- यह मूल्यांकन प्रक्रिया का प्रथम चरण है जिसका उद्देश्य लक्ष्य यह ज्ञात करना है कि मूल्यांकन किसका करना है ? अर्थात शैक्षिक उद्देश्य क्या है ? दूरगामी तथा तात्कालिक उद्देश्य छात्र की शारीरिक मानसिक स्थिति, विषय वस्तु की प्रकृति, सांस्कृतिक आधार तथा शिक्षा के स्तर पर आधारित होते है। विशिष्ट उद्देश्य प्रत्यक्ष तथा कार्यपरक (Direct & functional) होते है। सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्यों के निर्धारण के बिना शिक्षण प्रक्रिया की वान्छनीयता निर्धारित नही की जा सकती।

2.) अधिगम क्रियाओं का आयोजन (Planning & execution of learning activities)

उद्देश्य निर्धारण के पश्चात उन शिक्षण बिन्दुओं का निर्धारण किया जाता है जिनके द्वारा विशिष्ट शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति ~~प्राप्ति~~ की जाती है। शिक्षण बिन्दुओं का चयन करने के बाद अध्यापक अधिगम क्रियाओं का आयोजन करता है, जिससे शिक्षण उद्देश्यों (teaching objectives) की प्राप्ति हो सकें। शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति हुई या नहीं यह निर्धारित करने हेतु छात्रों में व्यवहार परिवर्तन की वस्तु स्थिति जानने का प्रयास किया जाता है जिसमें परीक्षण (test) समाजमिति (Sociometry), प्रश्नावली (Questionnaire), साक्षात्कार (Interview), अवलोकन (observation) संचित अभिलेख (Cumulative records) आदि का प्रयोग किया जाता है।

3. मूल्यांकन (Evaluation) -

- छात्रों के व्यवहार में होने वाले परिवर्तनों को ज्ञात करने के बाद इन व्यवहार परिवर्तनों की तुलना अपेक्षित

Scanned by TapScanner

व्यवहार परिवर्तन से की जाती है। यदि अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन अपेक्षित व्यवहार परिवर्तनों के निकट होते हैं तो शिक्षण कार्य संतोषजनक कहा जाता है। व्यवहार परिवर्तनों के सम्बन्ध में न्यूनतम अधिगम स्तर (Minimum Level of Learning) निर्धारित किया जाता है। यदि 80% छात्र 80% व्यवहार परिवर्तन दर्शाते हैं तो इसे मास्टरी लर्निंग (Mastry Learning) की श्रेणी में रखते हैं। यदि मूल्यांकन से यह ज्ञात होता है कि शिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं हुई है तो प्राप्त परिणामों के आधार पर शिक्षक शिक्षक अपने शिक्षण कार्य में सुधार करता है। वह उद्देश्यों को पुनः निर्धारित करता है, शिक्षण बिन्दुओं का चयन करता है तथा मूल्यांकन करता है। यह क्रम तब तक चलता रहता है जब तक अपेक्षित उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं हो जाती। अतः मूल्यांकन के परिणाम शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक पृष्ठपोषण (Feedback) प्रदान करते हैं।

मापन व मूल्यांकन के कार्य
(Function of Measurement & Evaluation)

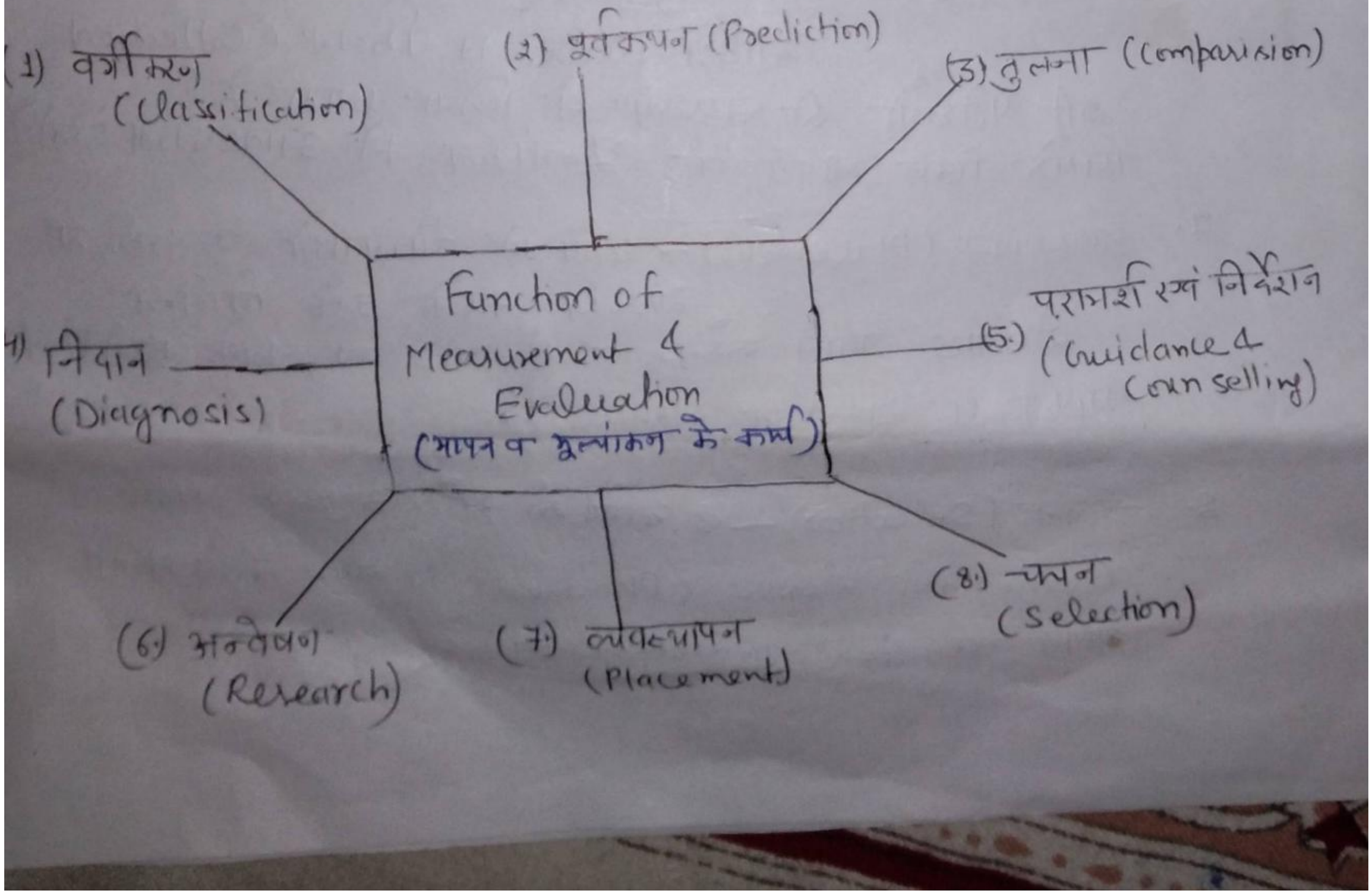

Scanned by TapScanner

1. वर्गीकरण (Classification) — छात्रों की आकी योग्यताओं के आधार पर वर्गीकृत करना / श्रेणी प्रदान करना।

2. पूर्वकथन (Prediction) — वर्तमान योग्यताओं का मापन व मूल्यांकन करके भविष्य के बारे में पूर्वकथन करना।

3. तुलना (Comparision) — मापन व मूल्यांकन के आधार पर दो व्यक्तियों, दो कक्षाओं व दो अध्ययन प्रणालियों की तुलना की जा सकती है।

4. निदान (Diagnosis) — छात्रों की अध्ययन सम्बन्धि समस्याओं का पता लगाया जा सकता है।

5. परामर्श एवं निर्देशन (Educational & Vocational Guidance) — शैक्षिक व व्यावसायिक क्षेत्रों में विद्यार्थी का मार्गदर्शन करना मापन का एक प्रमुख उद्देश्य है। विद्यार्थी की रुचि, क्षमताओं का अध्ययन करके यह निश्चित किया जा सकता है कि उसे कौन-से विषयों का अध्ययन कराया जावें तथा उसे किस व्यवसाय में जाना चाहिए।

6. अन्वेषण (Research) — अनुसंधान के लिए आवश्यक आंकड़ों (Data) का संकलन (Collection) भी परीक्षणों की सहायता से किया जाता है। जिसके लिए मापन व मूल्यांकन की आवश्यकता होती है।

7. व्यवस्थापन (Placement) — छात्रों की योग्यताओं व रुचि का आंकलन करके उन्हें विभिन्न रोजगार प्रदान करने व रोजगार का चयन करने में भी मापन व मूल्यांकन सहायक हैं।

8. चयन (Selection) — छात्रों को उनके अनुरूप पाठ्यक्रम (Course) तथा रोजगार (Placement) का चयन करने में भी मापन व मूल्यांकन सहायक होते हैं।

Scanned by TapScanner